मार्बल की मूर्तियों में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस को चकमा देकर 3 साल से जयपुर में फरारी काट रहा था बदमाश

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क से जुड़े और पिछले तीन साल से दिल्ली पुलिस को चकमा दे रहे बीस हजार के इनामी बदमाश अजय सिंह निवासी खंडेला जिला सीकर को जयपुर से डिटेन कर लिया है। अजय शेखावत एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए विद्याधर नगर थाना क्षेत्र में फरारी काट रहा था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि एजीटीएफ टीम ने बीस हजार के इनामी अपराधी अजय सिंह शेखावत को डिटेन किया। अजय शेखावत को विद्याधर नगर थाने को सुपुर्द कर दिया गया है और दिल्ली पुलिस को सूचित कर उनके आने पर आगे की कार्रवाई के लिए सुपुर्द किया गया। एडीजी

आरोपी अजय सिंह

एमएन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अजय सिंह शेखावत और उसके साथी मिलकर एक

■ **एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने 20 हजार के इनामी बदमाश अजय सिंह को जयपुर के विद्याधर नगर क्षेत्र से दबोचा**

अनोखे तरीके से मादक पदार्थों की तस्करी करते थे। आरोपी पलसाना जिला सीकर में मार्बल की मूर्तियों में नशीले पदार्थ छुपाते थे। फिर इन्हें कुरियर के माध्यम से दिल्ली भेजते थे। जहां से इन्हें यूएसए और अन्य विदेशी देशों को सप्लाई किया जाता था। यह तस्कर 3 साल से अधिक समय से फरार चल रहा था।

अजय शेखावत की गिरफ्तारी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली ज़ोनल यूनिट की 13 जुलाई 2022 को की गई एक बड़ी कार्रवाई से जुड़ी है। एनसीबी ने उस समय कुरियर कम्पनी में एक संदिग्ध पार्सल की तलाशी ली थी। तलाशी में पार्सल के भीतर एक खोखला ग्रेनाइट मार्बल लैंप मिला। लैंप के अंदर रंगीन धागों में लिपटी हुई दवा की स्ट्रिप्स थीं। ये प्रतिबंधित अल्प्राजोलम टैबलेट्स थीं। गिनती करने पर कुल 13 हजार 770 टैबलेट्स बरामद हुईं, जिनका कुल वज़न अनुमानित 1.515 किलोग्राम था। यह खेप सीकर के राहुल कुमावत द्वारा यूएसए के दीपक पटेल को भेजी जा रही थी। इस पूरी कार्रवाई में एजीटीएफ के कांस्टेबल गोपाल धाबाई व विजय सिंह की विशेष भूमिका और इंस्पेक्टर रामसिंह नाथावत के नेतृत्व वाली टीम एसआई बनवारी लाल, प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, हेमंत शर्मा, महावीर सिंह, कांस्टेबल जितेंद्र, देवेंद्र, गंगाराम और कांस्टेबल चालक दिनेश शर्मा का कार्य अत्यंत सराहनीय रहा है।

जयपुर समारोह में नवरत्नों का सम्मान, रोशन होगा पूरा शहर

'संस्कृति, रोशनी और गौरव का उत्सव है जयपुर समारोह'

जयपुर स्मार्ट सिटी के कार्यालय में सांसद मंजू शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर एक बार फिर अपनी सांस्कृतिक पहचान, परंपरा और विरासत के रंगों में सराबोर होने जा रही है। मौका का है जयपुर समारोह का। शहर की संस्कृति, कला और परंपरा को सहेजने और लुप्तप्राय हो रही सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करके उससे आमजन जोडने के उद्देश्य से जयपुर समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारी को लेकर शुक्रवार को जयपुर स्मार्ट सिटी के कार्यालय में सांसद मंजू शर्मा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक, ग्रेटर उपमहापौर पुनीत कर्णावट, पूर्व मेयर, स्मार्ट सिटी सीईओ डॉ. निधि पटेल, तथा ग्रेटर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी आदि शामिल रहे।

बैठक में निर्णय हुआ कि जयपुर के नौ-रत्नों जिन्होंने यहां कि कला-संस्कृति, शिक्षा, उद्योग और पर्यटन व समाजसेवा आदि में शहर को नई पहचान दिलाई अथवा विशेष पहचान दिलाई, उनको "जयपुर गौरव सम्मान" प्रदान किया जाएगा। समारोह के अवसर पर सरकारी भवनों, ऐतिहासिक इमारतों और दरवाजों को रंगबिरंगी रोशनी से सजाया जाएगा। जयपुर के प्रमुख गेटों पर शहनाई वादन कार्यक्रम होंगे, जो शहर की विरासत और सौंदर्यता को चार चांद लगा देंगे। जयपुर समारोह के दौरान शहर में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ जैसे ढूढाड की गाली बाजी, ख्याल, लोक नृत्य, ग़ज़ल संध्या, स्थानीय कलाकारों द्वारा अपनी अपनी विविध कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

हाईमास्क लाइट का उद्घाटन

जयपुर। ग्रेटर निगम के वार्ड 81 में दुर्गापुरा स्थित रघु विहार पार्क में हाईमास्क लाइट का उद्घाटन विद्युत समिति चेयरमैन हरीश शर्मा ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद जय वशिष्ठ ने अपने संबोधन में कहा कि हमारा वार्ड 81 पूर्ण रूप से विकसित हो गया है। अध्यक्ष विद्युत समिति हरीश शर्मा ने कहा कि अच्छी लाइटिंग व्यवस्था के साथ-साथ बिजली बचत पर ध्यान देना भी हमारा कर्तव्य हैं। इस अवसर पर रघुविहार समिति के अध्यक्ष सुरेश कुमार जैन, एस.जौहरी सीताराम शर्मा, अनिल टोंगिया ललित जैन, सुनील कुमार जैन, सत्यनारायण शर्मा उपस्थित रहे।

वकील पत्नी ने पति के अधिवक्ताओं की पैरवी में बाधा पहुंचाई तो हाईकोर्ट ने मुकदम ट्रांसफर किए

जयपुर (कासं)। पति और उसकी वकील पत्नी के बीच सवाईमाधोपुर में चल रहे मुकदमे में पत्नी ने पति के अधिवक्ताओं की पैरवी में बाधा पहुंचाई तो पति ने हाईकोर्ट से केस ट्रांसफर करने की गुहार की। इस पर हाईकोर्ट ने दोनों मुकदमों को जयपुर की अदालत में ट्रांसफर करने के आदेश दिए हैं।

अदालत ने स्पष्ट किया है कि फैमिली कोर्ट के आदेशानुसार उसे पत्नी को मासिक 15 हजार रुपए का भरण पोषण देते रहना होगा। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने यह आदेश पति की ओर से दायर याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि न्याय पाना हर व्यक्ति का मूल है। वहीं न्यायालय न्याय के मंदिर है और ये सभी के लिए हमेशा खुलने रहने चाहिए। इसके अलावा किसी भी व्यक्ति को उसकी पसंद के वकील से कानूनी सहायता पाने से वंचित नहीं किया जा सकता।

याचिका में अधिवक्ता रामरतन गुर्जर ने बताया कि याचिकाकर्ता की वकील पत्नी ने उसके खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज कराया था। जिसकी सुनवाई सवाई माधोपुर के सीजेएम कोर्ट में चल रही है। इस दौरान उसने फैमिली कोर्ट में भरण पोषण के लिए भी याचिका दायर कर दी। याचिका में कहा गया कि पत्नी ने स्थानीय बार एसोसिएशन को पत्र लिखकर याचिकाकर्ता के तीन वकीलों पर कार्रवाई की गुहार की और पैरवी नहीं करने के लिए दबाव डाला। इस पर बार अध्यक्ष ने तीनों वकीलों नोटिस जारी कर जवाब मांग लिया। याचिका में कहा गया कि उसकी पत्नी केस को प्रभावित कर रही है। ऐसे में प्रकरण की सुनवाई वहां से दूसरी जगह ट्रांसफर की जाए। जिसका विरोध करते हुए पत्नी के वकील ने कहा कि तीनों वकीलों को गत 19 जून को बार ने नोटिस दिया था, लेकिन इस नोटिस को उसी दिन वापस ले लिया गया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने दोनों मुकदमों की सुनवाई जयपुर की अदालतों में ट्रांसफर करने के आदेश दिए हैं।

बैरक के बाहर जंगल में छिपा हुआ मिला मोबाइल बरामद

■ **जयपुर सेंट्रल जेल में नहीं थम रहा मोबाइल मिलने का सिलसिला**

जयपुर (कासं)। केंद्रीय कारागार की बैरक में गुरुवार देर शाम को फिर से एक बार मोबाइल फोन मिलने से सनसनी फैल गई। जेल प्रशासन ने इस मामले की सूचना तुरंत लाल कोठी थाना पुलिस को दी। पुलिस ने बैरक के बाहर जंगले में छुपाए हुए मोबाइल फोन को बरामद कर छानबीन शुरु कर दी है।

थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि जेल प्रहरी महेश कुमार (47) ने मामला दर्ज कराया है कि गुरुवार देर शाम वार्ड नंबर -7 में गश्त के दौरान बैरक नंबर 5 के बाहर जंगले में छुपा कर रखा हुआ मोबाइल फोन मिला। जिसमें सिम कार्ड लगा हुआ था। मोबाइल फोन जब्त कर इसकी सूचना जेल प्रशासन को दी गई। जेल प्रशासन ने छानबीन करने के बाद जब्तशुदा मोबाइल फोन लाल कोठी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस ने अज्ञात बंदी के खिलाफ मामला दर्ज कर सिम व ईएमआई नंबर के आधार पर जांच शुरु कर दी है। बताया जा रहा है कि जेल प्रशासन की ओर से सितंबर माह में 19 मामले मोबाइल फोन मिलने के दर्ज कराए गए है। जिसमें 31 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके है। अक्टूबर माह में भी जेल प्रशासन की ओर 15 मोबाइल फोन मिलने के मामले सामने आए है।

वहीं 17 मोबाइल फोन बरामद किए गए है। नवंबर महीने में अभी तक तीन मामले दर्ज कर 6 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। लाल कोठी थाना पुलिस सिम नंबरों और कॉल डिटेल के आधार पर छानबीन करने में जुटी है।

बस्सी में मिलावटी सॉस की फैक्ट्री पर पकड़ी

सड़ी-गली गाजर को उबालकर कलर और सेक्रीन डालकर तैयार किया जा रहा था मिलावटी सॉस

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने बस्सी के मोहनपुरा गांव स्थित मैसर्स श्री श्याम एंटरप्राइजेज पर कार्यवाही करते हुए 500 किलो मिलावटी सॉस जब्त किया एवं 200 किलो सॉस एवं 1000 किलो पल्प नष्ट करवाया।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर

■ **खाद्य टीम ने 500 किलो मिलावटी सॉस जब्त किया, 1200 किलो सॉस व पल्प नष्ट करवाया**

मनीष मित्तल ने बताया कि इस फैक्ट्री में सड़ी गली गाजर को उबालकर उसमें कलर और सेक्रीन डालकर मिलावटी सॉस तैयार किया जा रहा था। टीम को मौके पर 41 कार्टूनों में लगभग 500 बोतल में मिलावटी सॉस तैयार कर बेचने के लिए रखी थी। जिन्हें नमूने लेकर जब्त किया गया। मौके पर तैयार लगभग 200 किलो मिलावटी सॉस एवं सड़ी गली गाजर से तैयार 1000 किलो पल्प को नष्ट करवाया गया। फर्म का प्रोपराइटर राकेश सैनी है जो लगभग एक साल से फैक्ट्री चला रहा है। टीम द्वारा उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया जाकर मशीनों को सील कर अग्रिम आदेशों तक सॉस निर्माण कार्य पर पाबंदी लगाई गई है। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान एवं राजेश नागर शामिल रहे।

खाद्य सुरक्षा टीम ने बस्सी में मिलावटी सॉस की फैक्ट्री पर छापा मारा।

हनीट्रैप में फंसाकर मैनेजर से डेढ़ करोड़ रु. की ठगी

जयपुर (कासं)। चित्रकूट इलाके में एक शातिर युवती के खिलाफ हनी ट्रेप में फंसाकर डेढ़ करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पीडित ने आरोपी युवती से पैसे वापस मांगे तो युवती ने झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देना शुरु कर दिया। पुलिस ने युवक की शिकायत पर आरोपी युवती और उसकी गैंग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि 36 वर्षीय पीड़ित युवत प्राईवेट कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। पीड़ित ने वर्ष -2020 में एक फ्रेंडशिप एप्लिकेशन डाउनलोड की थी। ऐप के जरिए उसकी जान पहचान हरियाणा निवासी युवती से हुई। युवती ने खुद को एयरलाइंस में पायलट बताया। शातिर युवती ने चेटिंग के माध्यम से पीड़ित से नजदीकियां बढ़ाई और धीरे-धीरे परिवार के बारे में जानकारी हासिल कर ली। सोशल मीडिया साइट पर पायलट के रूप में युवती की विभिन्न पोज में तस्वीरें भी लगी हुई थीं। बातचीत के जरिए धीरे-धीरे उसने उसे प्यार के जाल में फंसा लिया। साल 2021 में उसने शादी का प्रस्ताव रखा। जिसके बाद युवती ने वर्ष - 2023 जरुरत बताते उसने करीब 60 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाकर ऐंठ लिए। शातिर युवती ने ईडी के माध्यम से उसका बैंक अकाउंट सीज करने का झांसा दिया और खाते में 1.92 करोड़ जमा होने की बात कही। बैंक अकाउंट अनफ्रीज करवाने और पेनल्टी के नाम नाम पर झूठ बोल कर करीब 80 लाख रुपए पीड़ित से ले लिए। वर्ष 2024 से अब तक शातिर युवती ने करीब 1.50 करोड़ रुपए धोखे से ऐंठ लिए।

■ **खुद को पायलट बताकर बनाई नजदीकियां, महिला और गैंग के खिलाफ मामला दर्ज**

पीड़ित ने 3 साल बीत जाने के बाद जब युवती ने पैसे वापस मांगे तो शातिर युवती पहले तो फर्जी गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, डायरेक्टोरेट ऑफ इन्फोर्समेंट के लेटर के जरिए 28 अगस्त 2024 तक गिरफ्तार किए जाने की धमकी और फिर कॉल और चैटिंग करना बंद कर दिया। खुद के साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास होने पर पीड़ित गुरुग्राम युवती के घर पहुंचा तो वहां पता ही गलत मिला। जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस के साथ बैंक जाकर खाते की जानकारी हासिल की तो वहां खाते की जानकारी भी फर्जी निकली। बार-बार मोबाइल फोन पर संपर्क करने के बाद युवती ने सुसाइड और झूठे दुष्कर्म के केस में फंसाने की बात कही। जिसके बाद पीड़ित थाने पहुंच और मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत पर आरोपी युवती

सार-समाचार

एजुकेट गर्ल्स को रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

मनीला (फिलीपींस)। भारत की गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स को प्रतिष्ठित "रेमन मैग्सेसे" पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार संस्था को भारत की लाखों बालिकाओं की शिक्षा में असाधारण परिवर्तन लाने और सामुदायिक सहयोग के माध्यम से शिक्षा को जन-आंदोलन बनाने के लिए प्रदान किया गया है। एजुकेट गर्ल्स यह सम्मान पाने वाली पहली भारतीय संस्था बन गई है। संस्था ने यह एशिया का सर्वोच्च सम्मान अपने 55 हजार टीम बालिका स्वयंसेवकों, फील्ड कोऑर्डिनेटर्स और स्थानीय युवा सलाहकार को समर्पित किया है, जो हर दिन यह सुनिश्चित करने में जुटे हैं कि भारत की हर बालिका को शिक्षा का अवसर मिले और वह अपने सपनों को साकार कर सके। पुरस्कार ग्रहण करते हुए एजुकेट गर्ल्स की संस्थापिका सफीना हुसैन ने कहा कि वर्ष 2007 में स्थापित एजुकेट गर्ल्स ने बीते लगभग दो दशकों में गरीबी और निरक्षरता के चक्र को तोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। एजुकेट गर्ल्स की सीईओ गायत्री नायर लोबो ने कहा कि यह संस्था उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और बिहार के 30 हजार से अधिक गांवों में कार्यरत है। अपनी स्थापना से अब तक एजुकेट गर्ल्स ने 55 हजार से अधिक सामुदायिक स्वयंसेवकों के सहयोग से 20 लाख से अधिक बालिकाओं को स्कूल से जोड़ा है और अपने उपचारात्मक शिक्षण कार्यक्रम के तहत 24 लाख से अधिक बच्चों की शिक्षा में सुधार किया है। ज्ञात रहे कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कार की घोषणा 31 अगस्त को की गई थी और औपचारिक समारोह 7 नवम्बर 2025 को मनीला (फिलीपींस) के मेट्रोपॉलिटन थिएटर में आयोजित हुआ। एजुकेट गर्ल्स की 25 सदस्यीय टीम, जिसमें फील्ड कोऑर्डिनेटर्स, टीम बालिका स्वयंसेवक और प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थी इस समारोह में शामिल होने के लिए मनीला पहुंची।

अमित गोयल ने लिया मुनिश्री से आशीर्वाद

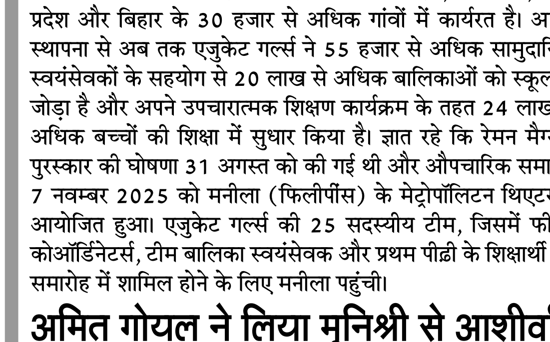

जयपुर। धर्मगुरु आदित्य सागर महाराज शुक्रवार को अपने शिष्य भाजपा शहर अध्यक्ष अमित गोयल के आग्रह पर उनके कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने कार्यकर्ताओं को चरित्र निर्माण और ईमानदारी को अपने जीवन में सर्वोच्च स्थान देने का संदेश दिया। इस अवसर पर वहां सपत्नीक अमित गोयल ने कार्यकर्ताओं के साथ जैन परंपरा के अनुसार मुनि का पद पक्षालन किया। जैन मुनि ने सभी कार्यकर्ताओं को आशीर्वाद स्वरुप आध्यात्मिक साहित्य दिया। उन्होंने अपने आशीर्वचन में कहा कि कमल भी कीचड़ में ही खिलता है, राजनीति में चरित्रवान लोगों को आना ही चाहिए। समाज को वही दिशा देगा जो स्वयं सच्चा और निर्मल होगा। नेताओं और कार्यकर्ताओं के व्यवहार में सदैव ईमानदारी, सत्य अहिंसा और नम्रता का भाव होना चाहिए। इस अवसर पर जयपुर शहर के पदाधिकारी, समाजसेवी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आचार्य आदित्य सागर का सम्मान होगा

जयपुर । श्रुत संवेगी जैन मुनि आचार्य आदित्य सागरमहाराज ने कहा कि मल्टीनेशनल बुक ऑफ रिकाड्र्स, लंदन की ओर से कर्नाटक के कुमुदेन्दू मुनि विरचित श्रीभूवलय ग्रंथ को अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की गई है। यह अद्वितीय आध्यात्मिक और साहित्यिक उपलब्धि केवल जैन साहित्य के लिए नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा के लिए भी एक गौरवपूर्ण क्षण है। आचार्य आदित्य सागर महाराज ने शुक्रवार को यहां कीर्ति नगर स्थित जैन मंदिर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि वे खुद इस ग्रंथ के प्रधान संपादक और डॉ. तेजस्विनी जैन इसकी लेखिका हैं। यह ग्रंथ नौ खंडों में लिखा गया है। इस ग्रंथ को छंदों में लिखा गया है। इसलिए यह सभी ग्रंथों का महाग्रंथ है। यह सभी ग्रंथों की डिक्शनरी है। आज हम टैबलेट में गूगल स्क्रॉल कर ग्रंथों की जानकारी हासिल कर सकते हैं पर, उस दौर में यह संभव नहीं था। इसके बाद भी उस दौर का यह ग्रंथ अपनी महत्ता को दर्शाता है। करीब 2064 पृष्ठों वाले इस पहले उपखंड में हर तरह की सीख को रेखांकित किया गया है, जो देश-दुनिया में मच रही उथल-पुथल, गिरती मानवता, दिशाहीन होती युवा पीढ़ी का रचनात्मक मार्गप्रशस्त कर सकती है। लेखिका तेजस्विनी जैन ने बताया कि इस ग्रंथ का पहला उपखंड नौ भाषाओं संस्कृत, प्राकृत संस्कृत समेत द्रविड़, मराठी, गुजराती आदि में उपलब्ध है।

'बोर्ड का कार्यकाल भले पूरा हुआ परंतु लोगों के लिए तैयार रहूंगा'

जयपुर (कासं)। ग्रेटर उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने अपने 5 वर्ष के कार्यकाल समाप्ति पर गुरूवार को मीडिया से बातचीत की। उनके साथ चेयरमैन अभय पुरोहित और रामस्वरूप मीणा भी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन और चुनाव से पहले भाजपा की घोषणा के मुताबिक पुन: जयपुर नगर निगम एक होगा। जयपुर के आराध्यदेव गोविंददेवजी भी हमारे हैं तो मोतीडूंगरी के गणेशजी भी। कांग्रेस की सरकार ने जयपुर शहर को दो हिस्सों में बांटने का जो पाप किया, वह निंदनीय है। जिन राजनैतिक फायदों के लिए कांग्रेस ने जयपुर के दो टुकड़े किए, वह उसमें कभी सफल नहीं हो पायी। आज दोनों जगह पर भाजपा का बोर्ड है। जयपुर की जनता ने हमेशा भाजपा का बोर्ड ही नगर निगम में बनाया, जिसकी खीज हमेशा कांग्रेस की सरकार को रही है।

पुनीत कर्णावट ने कहा कि, भले ही 2 दिन बाद 9 नवंबर को इस बोर्ड का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है, परंतु जनप्रतिनिधि के नाते मैं हमेशा जनता की समस्याओं और उनके मुद्दों के लिए आगे रहूंगा। मुझे लोगों का जैसा प्यार मिला और लोग खुले दिल से कहते हैं कि "पुनीत तो अपना भाई है" का मैं हमेशा स्वागत करता हूं। मेरे कार्यकाल कभी की दफ्तर के दरवाजों पर पर्ची सिस्टम नहीं रहा।

कर्णावट ने कहा कि इस 5 साल में जयपुर के स्वच्छता सैनिकों से लेकर अधिकारी-कर्मचारियों, नगर निगम में रहे तमाम आयुक्तों और पार्षद व चेयरमैनों का पूर्ण सहयोग मिला है। हमने कार्यकाल की शुरूआत में जयपुर के विकास का जो विजन सोचा था, उसके लिए हमने प्रयास किए। आज जयपुर की स्वच्छता रैंकिंग 16वें स्थान पर है, यह हमारे अधिकारी-कर्मचारियों और स्वच्छता सैनिकों की टीम की बदौलत है। मैंने सभी को एक पत्र लिखकर उनके सहयोग के लिए आभार जताया है।

कर्णावट ने कहा कि, कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स जैसे कि ग्रीन बॉन्ड, नगर निगम में मल्टीस्टोरी पार्किंग जैसे कई विकास की योजनाएं हमने बनाई थी, परंतु कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार के असहयोग के कारण हम इन्हें पूरा नहीं कर पाये। परंतु विकास एक सतत प्रक्रिया है और मुझे पूरा भरोसा है कि जयपुर नगर निगम की आने वाली टीम जयपुर के समग्र विकास के लिए काम करेगी।

संस्कृत यूनिवर्सिटी के मेस के खाने में मृत छिपकली मिली

जयपुर । मुहाना स्थित जगतगुरु रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय की मेस के खाने में मृत छिपकली मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंची खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा निरीक्षण करने पर मेस संचालनकर्ता फर्म बिना फूड लाइसेंस के कार्यरत पाई गई।

डॉ मनीष मित्तल (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय) ने बताया कि संस्कृत विश्वविद्यालय स्थित बिना लाइसेंसशुदा फर्म से इंफोर्समेंट के तहत विभिन्न नमूने लेकर जांच हेतु भेजे गये हैं। इस फर्म द्वारा खाद्य निर्माण में प्रयुक्त पानी, फूड हैंडलर्स के प्रशिक्षण व स्वास्थ्य प्रमाणन, पेस्ट कंट्रोल, स्वच्छता, भवन के इंफ्रास्ट्रक्चर आदि से संबंधित विभिन्न नियमों की अवहेलना किए जाने पर नोटिस दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रतिनिधि की उपस्थिति में मेस की फर्म को उचित सुधार के लिए पाबंद किया गया।

जांच के लिए लिए गए नमूनों में जांच में खाद्य पदार्थ लैब से मिलावट होने की रिपोर्ट प्राप्त होगी तो तदनुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। फर्म द्वारा लाइसेंस नहीं रखने के जुर्म में सक्षम न्यायालय में चालान का वाद दायर किया जाएगा।

बिना निर्माण तिथि का 1320 किलो बेसन व नमकीन सीज

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । "शुद्ध आहार - मिलावट पर वार" अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के नेतृत्व में बैनाड रोड स्थित ग्रीन पार्क क्षेत्र में संचालित मैसर्स राधे कृष्णा लघु उद्योग (नमकीन निर्माण इकाई) पर शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि टीम को निरीक्षण के दौरान इकाई में अत्यंत अस्वच्छ एवं अनहाइजेनिक परिस्थितियाँ पाई गईं। जहां टीम को फर्श टूटा व दीवारें गंदी,उत्पादन क्षेत्र बिना कवर, कीट-पतंगों व पक्षियों के प्रवेश की संभावना और खाद्य हैंडलर्स का मेडिकल परीक्षण उपलब्ध नहीं है। इसके साथ ही पानी की जांच रिपोर्ट भी नहीं प्रस्तुत की । साथ ही टीम ने मौके पर बिना निर्माण तिथि का 1320 किलोग्राम बेसन, मटर नमकीन एवं चावल पाउडर सीज किया। फर्श पर गंदगी में रखे लगभग 100 किलोग्राम नमकीन को नष्ट कराया गया। सामग्री के एक-एक नमूने एफएसएस अधिनियम के तहत जांच के लिए गए।

■ **खाद्य सुरक्षा टीम ने फर्श पर गंदगी में रखे लगभग 100 किलोग्राम नमकीन को नष्ट करवाया**

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि गंभीर अनियमितताओं पर विभाग ने इंप्रूवमेंट नोटिस जारी कर उत्पादन कार्य तत्काल प्रभाव से बंद करवाया। निर्धारित समय में सुधार नहीं करने पर खाद्य अनुज्ञा निलंबित करने की चेतावनी दी गई है। नमूनों की जांच रिपोर्ट के अनुसार आगे विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा एवं नरेश कुमार चेजारा शामिल रहे।

बैनाड रोड पर संचालित मैसर्स राधे कृष्णा लघु उद्योग पर गुरूवार को खाद्य सुरक्षा टीम ने छापेमारी की।